# Workshop focused on RAJEEVIKA and Women-Led Rural Livelihoods held in Rajasthan.

The 21st Governing Committee meeting of the Rajasthan Grameen Aajeevika Vikas Parishad (RAJEEVIKA) was held at the Government Secretariat in Jaipur with the Chief Secretary, V. Srinivas as Chairperson. The meeting discussed the action plan for financial year 2026-27 and discussed how to improve the rural livelihood, women entrepreneurs, market linkages and Lakhpati Didis in Rajasthan.

## Key Highlights

Chief Secretary V. Srinivas showed appreciation for the efforts of RAJEEVIKA towards the empowerment of rural livelihoods.

## The detailed action plan for FY26-27 was discussed.

- In particular, efforts were made to implement the announcements in the budget regarding RAJEEVIKA.
- The close monitoring of the financial model for effective implementation and expected outcome was highlighted by the Chief Secretary.
- Instructions were issued for holding regular meetings with various departments for coordination and integrated implementation of various schemes.

### The works done by Rajasthan Mahila Nidhi were recognized.

- Rajasthan Mahila Nidhi has disbursed loan eligibility of over ₹850 crore.
- This high amount of loans distributed has not made any significant impact on the NPA ratio, which has remained under 2%.
- This low NPA level is indicative of the discipline, commitment and financial responsibility of the women connected with the SHGs, VOs and CLFs.

### The Chief Secretary emphasized the significance of the women entrepreneurship.

- Directions were given to develop wider market linkages for products made by Self Help Groups.
- Underselling of SHG products in outlets, malls, tourist places and high footfall areas was stressed.
- The work of RAJEEVIKA for empowerment of 51 lakh women in the State of Rajasthan was recognized.

- The handholding and guidance of women, who already benefited under the Lakhpati Didi initiative, was emphasized.

### The number of Lakhpati Didis was increased by giving directions.

- The Chief Secretary also gave instructions to its officials to prepare a roadmap for the implementation of the Millionaire Didi concept in practice.

## Conclusion

The 21st Governing Committee meeting of RAJEEVIKA highlighted Rajasthan's strong focus on rural livelihood promotion and women-led economic empowerment. The discussion on the FY 2026-27 action plan, effective financial monitoring, inter-departmental coordination and market linkages shows the state's commitment to strengthening self-help groups and community institutions. The success of Rajasthan Mahila Nidhi, with loan distribution of over ₹850 crore and NPA below 2%, reflects the financial discipline and responsibility of women associated with SHGs, VOs and CLFs. The emphasis on increasing Lakhpati Didis and preparing a roadmap for the Millionaire Didi concept further indicates Rajasthan's vision to make rural women active contributors to economic growth and social transformation.

---

## MCQs

- Who was the chairperson of the 21st Governing Committee meeting of RAJEEVIKA?

RASonly

(a) Dinesh Kumar

(c) Dr. Shanthakumar M.V.(d) Sridhar Kumar S.K.

(c) V. Srinivas

(d) Krishna Kunal

Answer: (c) V. Srinivas

Explanation : Rajasthan Grameen Aajeevika Vikas Parishad (RAJEEVIKA), the 21st Governing Committee meeting was chaired by Chief Secretary V. Srinivas at the Government Secretariat, Jaipur.

- The amount distributed by 2. Rajasthan Mahila Nidhi under the loans is less than what?

(a) ₹250 crore

(b) ₹500 crore

(c) ₹700 crore

(d) ₹850 crore

Answer: (d) ₹850 crore

Explanation : The Chief Secretary admitted the good progress made by Rajasthan Mahila Nidhi and said that the latter had disbursed loans exceeding ₹850 crore without its non-performing loans level exceeding 2%, reflecting financial discipline of community institutions run by women.

- Which of the following initiative was specially mentioned for better income of women in RAJEEVIKA?

(a) Digital Census Initiative

(b) Lakhpati Didi and Millionaire Didi concept.

(c) PM-KUSUM Scheme

(d) Gram Rath Campaign

Answer: (b) Lakhpati Didi and Millionaire Didi concept

Explanation : The Chief Secretary highlighted that women who have already benefitted from the implementation of Lakhpati Didi scheme should continue to be supported. He has also directed the officials to increase the number of Lakhpati didis and also prepare an action plan for the implementation of the concept of millionaires didi.

RASonly

# राजस्थान में राजीविका की  कार्यशाला का केंद्र महिला-नेतृत्व वाली ग्रामीण आजीविकाओं पर रहा।

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्, राजीविका की 21वीं शासी समिति की बैठक जयपुर स्थित शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्य योजना पर चर्चा की गई और राजस्थान में ग्रामीण आजीविका, महिला उद्यमिता, बाजार संपर्क तथा लखपति दीदियों की संख्या बढ़ाने से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

## मुख्य बिंदु

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने ग्रामीण आजीविका सशक्तीकरण की दिशा में राजीविका के प्रयासों की सराहना की।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की विस्तृत कार्य योजना पर चर्चा की गई।

विशेष रूप से राजीविका से संबंधित बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन पर ध्यान दिया गया।

मुख्य सचिव ने प्रभावी क्रियान्वयन और अपेक्षित परिणामों के लिए वित्तीय मॉडल की सूक्ष्म निगरानी पर बल दिया।

विभिन्न विभागों के साथ समन्वय और योजनाओं के समेकित क्रियान्वयन के लिए नियमित बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

राजस्थान महिला निधि द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की गई।

राजस्थान महिला निधि ने ₹850 करोड़ से अधिक के ऋण वितरित किए हैं।

इतनी बड़ी राशि के ऋण वितरण के बावजूद गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात 2% से कम बना हुआ है।

यह कम गैर-निष्पादित परिसंपत्ति स्तर स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनों और संकुल स्तरीय संघों से जुड़ी महिलाओं के अनुशासन, प्रतिबद्धता और वित्तीय जिम्मेदारी को दर्शाता है।

मुख्य सचिव ने महिला उद्यमिता के महत्व पर बल दिया।

स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के लिए व्यापक बाजार संपर्क विकसित करने के निर्देश दिए गए।

स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की उपलब्धता दुकानों, मॉल, पर्यटन स्थलों और अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

राजस्थान में 51 लाख महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए राजीविका के कार्यों की सराहना की गई।

लखपति दीदी पहल के अंतर्गत पहले से लाभान्वित महिलाओं के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग पर बल दिया गया।

लखपति दीदियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

RASonly

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को दस लाख आय वाली दीदी की अवधारणा को व्यावहारिक रूप देने के लिए कार्य योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए।

## निष्कर्ष

राजीविका की 21वीं शासी समिति की बैठक ने ग्रामीण आजीविका संवर्धन और महिला-नेतृत्व वाले आर्थिक सशक्तीकरण पर राजस्थान के मजबूत ध्यान को रेखांकित किया। वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्य योजना, प्रभावी वित्तीय निगरानी, अंतर-विभागीय समन्वय और बाजार संपर्कों पर हुई चर्चा स्वयं सहायता समूहों और सामुदायिक संस्थाओं को मजबूत करने के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राजस्थान महिला निधि की सफलता, ₹850 करोड़ से अधिक के ऋण वितरण और 2% से कम गैर-निष्पादित परिसंपत्ति स्तर के साथ, स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनों और संकुल स्तरीय संघों से जुड़ी महिलाओं के वित्तीय अनुशासन और जिम्मेदारी को दर्शाती है। लखपति दीदियों की संख्या बढ़ाने और दस लाख आय वाली दीदी की अवधारणा के लिए कार्य योजना तैयार करने पर दिया गया बल यह भी दर्शाता है कि राजस्थान ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन की सक्रिय भागीदार बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

---

## बहुविकल्पीय प्रश्न

**1. राजीविका की 21वीं शासी समिति की बैठक की अध्यक्षता किसने की?**

(a) दिनेश कुमार
(b) डॉ. शांताकुमार एम. वी.
(c) वी. श्रीनिवास
(d) कृष्ण कुणाल

**उत्तर: (c) वी. श्रीनिवास**

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्, राजीविका की 21वीं शासी समिति की बैठक जयपुर स्थित शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

---

**2. राजस्थान महिला निधि द्वारा ऋण के रूप में कितनी राशि से अधिक वितरण किया गया है?**

(a) ₹250 करोड़
(b) ₹500 करोड़
(c) ₹700 करोड़
(d) ₹850 करोड़

**उत्तर: (d) ₹850 करोड़**

मुख्य सचिव ने राजस्थान महिला निधि की उपलब्धियों की सराहना करते हुए बताया कि इसने ₹850 करोड़ से अधिक के ऋण वितरित किए हैं। इसके बावजूद गैर-निष्पादित परिसंपत्ति स्तर 2% से कम बना हुआ है, जो महिलाओं द्वारा संचालित सामुदायिक संस्थाओं की वित्तीय अनुशासनशीलता को दर्शाता है।

---

RASonly

**3. राजीविका के अंतर्गत महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए किस पहल का विशेष उल्लेख किया गया?**

(a) डिजिटल जनगणना पहल
(b) लखपति दीदी और दस लाख आय वाली दीदी की अवधारणा
(c) प्रधानमंत्री कुसुम योजना
(d) ग्राम रथ अभियान

**उत्तर: (b) लखपति दीदी और दस लाख आय वाली दीदी की अवधारणा**

मुख्य सचिव ने लखपति दीदी पहल के अंतर्गत पहले से लाभान्वित महिलाओं को निरंतर सहयोग देने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को लखपति दीदियों की संख्या बढ़ाने और दस लाख आय वाली दीदी की अवधारणा को लागू करने के लिए कार्य योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए।

# Rajasthan and UNICEF hold discussions on cooperation for health, education, nutrition and child rights.

Chief Secretary V. Srinivas met the Cynthia McCaffrey, UNICEF Representative in India at Government Secretariat, Jaipur. The meeting was dedicated to the United Nations International Children's Emergency Fund (UNICEF) partnership in the various development sectors in Rajasthan, including health services, women and child development, nutrition, education, youth empowerment, social security and the protection of children's rights. The discussion also emphasized the importance of

technology and technical assistance and policy guidance for realizing the vision of developed Rajasthan.

## Key Highlights

- The state government is effectively functioning in all sectors to make CM Bhajanlal Sharma's dream of developed Rajasthan a reality, Chief Secretary V. Srinivas said.
- The state is undertaking big campaigns under the National Health Mission on health and nutrition.

### Mukhyamantri Ayushman Arogya Yojana has enhanced health services in Rajasthan

- Improving the quality of education in the state is being done through innovations with the support of UNICEF, said Additional Chief Secretary of School Education Rajesh Yadav.
- There is also a significant effort underway in Rajasthan to encourage multilingualism in the state using various programmes.
- The Yuva Setu programme, which is under implementation in the presence of the technical assistance of UNICEF, is creating a robust platform for opportunities for youth, Additional Chief Secretary, Higher Education, Kuldeep Ranka added.
- Yuva Setu is a programme aimed at leadership development and skill enhancement of young people.
- Principal Secretary Medical and Health Gayatri Rathore said that thanks to training programmes and innovative activities under UNICEF umbrella, the maternal and infant mortality rate in the State has been brought down substantially.

### The entire immunization program is effectively carried out in the State

- Technical capacity of ASHA workers and ANMs has been enhanced through training programmes, which has also enhanced their work efficiency.
- Poonam, Secretary (WCD), said the growth monitoring of children in tribal areas was still a big challenge.
- Training for ASHA workers related to growth monitoring and data validation will be further strengthened with UNICEF’s cooperation.
- UNICEF will increase its policy development, technical cooperation and guidance in 2026-29 per its work plan, said Cynthia McCaffrey.

## Conclusion

- Special efforts will be made to strengthen social security and raise the women's participation.

RASonly

- The challenges in the various development sectors and that of a developed Rajasthan will be addressed by modern technologies including Artificial Intelligence.
- The meeting was attended by the senior officials from Social Justice and Empowerment, National Health Mission and UNICEF.

---

## MCQs

- Who discussed cooperation with UNICEF in Rajasthan with Chief Secretary V. Srinivas?

(a) Poonam

(b) Cynthia McCaffrey

(c) Gayatri Rathore

(d) Kuldeep Ranka

Answer: (b) Cynthia McCaffrey

Explanation : UNICEF Representative, Cynthia McCaffrey met Chief Secretary, V. Srinivas at Government Secretariat in Jaipur. The meeting emphasised on UNICEF's work in the areas of health, women and child development, nutrition, education, social security and child rights protection in the state of Rajasthan.

2. What programme was identified as a good platform for opportunities for youth with UNICEF technical support?

(a) Mukhyamantri Ayushman Arogya Yojana

(b) Full Immunisation Campaign

(c) Yuva Setu Programme.

(d) National Health Mission

Answer: (c) Yuva Setu Programme

Explanation : Additional Chief Secretary (Higher Education), Kuldeep Ranka explained that the Yuva Setu programme, which is being implemented with technical assistance from UNICEF, is gaining momentum as a platform for youth. It encourages the leadership development and skill enhancement of young people.

3.Which things will be enhanced in Rajasthan under UNICEF 2026-29 work plan?

(a) The search for policy-making, technical cooperation and guidance;

(b) Industrial exports, mining and tourism.

RASonly

(c) Road construction, railways and aviation

(d) Collection of taxes, banking and insurance

Answer: (a) Policy-making, technical cooperation and guidance

Explanation : In the UNICEF work plan for 2026-29, UNICEF will increase its influence in policy making, technical cooperation and guidance, Cynthia McCaffrey added. The project will also emphasize social security, women participation and the application of modern technologies including artificial intelligence.

---

# राजस्थान और यूनिसेफ ने स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और बाल अधिकारों के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने जयपुर स्थित शासन सचिवालय में भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्रे से मुलाकात की। बैठक में राजस्थान के विभिन्न विकास क्षेत्रों में यूनिसेफ के सहयोग पर चर्चा की गई, जिनमें स्वास्थ्य सेवाएं, महिला एवं बाल विकास, पोषण, शिक्षा, युवा सशक्तीकरण, सामाजिक सुरक्षा और बाल अधिकार संरक्षण शामिल हैं। चर्चा में विकसित राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के लिए तकनीक, तकनीकी सहयोग और नीतिगत मार्गदर्शन के महत्व पर भी बल दिया गया।

## मुख्य बिंदु

- मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने के लिए सभी क्षेत्रों में प्रभावी रूप से कार्य कर रही है।
- राज्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े व्यापक अभियान संचालित किए जा रहे हैं।
- मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना ने राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाया है।
- अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा, राजेश यादव ने कहा कि यूनिसेफ के सहयोग से राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए नवाचार किए जा रहे हैं।
- विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से राजस्थान में बहुभाषीय शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।
- अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, कुलदीप रांका ने कहा कि यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से संचालित युवा सेतु कार्यक्रम युवाओं के लिए अवसरों का मजबूत मंच बन रहा है।
- युवा सेतु कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकास और कौशल संवर्धन को बढ़ावा देना है।
- प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, गायत्री राठौड़ ने कहा कि यूनिसेफ के सहयोग से संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और नवाचार आधारित गतिविधियों के कारण राज्य में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है।
- राज्य में पूर्ण टीकाकरण कार्यक्रम प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

RASonly

- आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम की तकनीकी क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बढ़ी है, जिससे उनकी कार्यकुशलता में भी सुधार हुआ है।
- महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव पूनम ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में बच्चों की वृद्धि निगरानी अब भी एक बड़ी चुनौती है।
- यूनिसेफ के सहयोग से आशा कार्यकर्ताओं को वृद्धि निगरानी और आंकड़ा सत्यापन से संबंधित प्रशिक्षण को और मजबूत किया जाएगा।
- सिंथिया मैककैफ्रे ने कहा कि 2026-29 की कार्य योजना के अंतर्गत यूनिसेफ नीति निर्माण, तकनीकी सहयोग और मार्गदर्शन में अपनी भूमिका को और मजबूत करेगा।

## निष्कर्ष

सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने और महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

विभिन्न विकास क्षेत्रों की चुनौतियों को दूर करने और विकसित राजस्थान के लक्ष्य को गति देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और यूनिसेफ के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

---

## बहुविकल्पीय प्रश्न

**1. मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास के साथ राजस्थान में यूनिसेफ के सहयोग पर किसने चर्चा की?**

(a) पूनम
(b) सिंथिया मैककैफ्रे
(c) गायत्री राठौड़
(d) कुलदीप रांका

**उत्तर: (b) सिंथिया मैककैफ्रे**

सिंथिया मैककैफ्रे, भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि, ने जयपुर स्थित शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से मुलाकात की। बैठक में राजस्थान में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पोषण, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्रों में यूनिसेफ के सहयोग पर चर्चा की गई।

---

**2. यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से कौन-सा कार्यक्रम युवाओं के लिए अवसरों का मजबूत मंच बताया गया?**

(a) मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना
(b) पूर्ण टीकाकरण अभियान
(c) युवा सेतु कार्यक्रम
(d) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

**उत्तर: (c) युवा सेतु कार्यक्रम**

RASonly

अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, कुलदीप रांका ने बताया कि यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से संचालित युवा सेतु कार्यक्रम युवाओं के लिए अवसरों का मजबूत मंच बन रहा है। यह कार्यक्रम युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकास और कौशल संवर्धन को बढ़ावा देता है।

---

**3. यूनिसेफ की 2026-29 कार्य योजना के अंतर्गत राजस्थान में किन क्षेत्रों को मजबूत किया जाएगा?**

(a) नीति निर्माण, तकनीकी सहयोग और मार्गदर्शन
(b) औद्योगिक निर्यात, खनन और पर्यटन
(c) सड़क निर्माण, रेलवे और विमानन
(d) कर संग्रह, बैंकिंग और बीमा

**उत्तर: (a) नीति निर्माण, तकनीकी सहयोग और मार्गदर्शन**

सिंथिया मैककैफ्रे ने कहा कि यूनिसेफ की 2026-29 कार्य योजना के अंतर्गत नीति निर्माण, तकनीकी सहयोग और मार्गदर्शन में यूनिसेफ की भूमिका को और मजबूत किया जाएगा। इसमें सामाजिक सुरक्षा, महिलाओं की सहभागिता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर भी बल दिया जाएगा।

# The Rajasthan Electricity Corporations participated in the All India Electricity Sports Competition, Rajasthan's biggest-ever Electricity Sports Contingent arrives in Pune for National Competition.

RASonly

The most massive ever gathering of players from electricity corporations in the state of Rajasthan has come all the way to Pune to compete in the 47th All India Electricity Basketball, Wrestling, Kabaddi and Kho-Kho Competition. Maharashtra Power has been organizing the competition at Balewadi Stadium, Pune. It's being graced by 47 players from 6 teams of Rajasthan electricity corporations. Rajasthan also won Best March Past Trophy in the opening ceremony.

## Key Highlights

The 47th All India Electricity Basketball, Wrestling, Kabaddi and Kho-Kho Competition is being organised at Balewadi Stadium Pune.

## Maharashtra Power has set up the competition.

- The matches started after the opening ceremony, on 6 May 2026.
- Rajasthan has dispatched the maximum number of participants in the All India Electricity Competition.
- 47 players from 6 electricity corporations teams are taking part in the event.
- The competition is being held with Rajasthan's men's basketball team and kho-kho team.
- For the first time, women Kabaddi and kho-kho teams of Rajasthan are playing.
- At the opening ceremony, the team from Rajasthan claimed the Best March Past Trophy from the teams of other states of the country.
- Rajasthan contingent was led in the march past by its manager Pawan Sharma.

RASonly

- Rajasthan men's kho-kho won the league match against Gujarat Urja Nigam and progressed to the next round.

The women's kho-kho team of Rajasthan beat Gujarat in the semi-final to reach the final.The team of women kho-kho of Rajasthan beat the team of Gujarat in the semi-final and reached the final.

The final of the women's kho-kho will be against the host Maharashtra.

Energy Minister Heeralal Nagar congratulated all the electricity companies of the Rajasthan on making a good performance in the competition.

## Conclusion

Rajasthan’s participation in the 47th All India Electricity Basketball, Wrestling, Kabaddi and Kho-Kho Competition reflects the growing spirit of sportsmanship, teamwork and employee participation among the state’s electricity corporations. The presence of 47 players from 6 teams, the first-time participation of women’s kabaddi and kho-kho teams, and the Best March Past Trophy highlight Rajasthan’s strong and disciplined representation at the national level. The impressive performance of both men’s and women’s kho-kho teams, especially the women’s team reaching the final, has further strengthened Rajasthan’s position in the competition. This achievement also shows the importance of encouraging sports and healthy competition among government and departmental employees.

---

## MCQs

- The 47th All India Electricity Basketball, Wrestling, Kabaddi & Kho-Kho Competition is taking place at which place?

(a) Jaipur

(b) Pune

(c) Ahmedabad

(d) Bhopal

Answer: (b) Pune

Explanation : The 47th All India Electricity Basketball, Wrestling, Kabaddi and Kho-Kho Competition has been held at Balewadi Stadium in Pune organized by Maharashtra Power. The biggest electricity sports team from Rajasthan has arrived in Pune for this National-level competition.

- How many players from Rajasthan electricity corporations are competing in the competition?

RASonly

(a) 27

(b) 36

(c) 47

(d) 60

Answer: (c) 47

Explanation : Rajasthan's contingent for the all India Electricity Competition is the biggest one so far. Overall, 6 teams (47 players) are taking part in various sports events such as basketball, kabaddi and kho-kho.

- In the opening ceremony of the competition Rajasthan won which trophy?

(a) Best Discipline Trophy

(b) Best Uniform Trophy

(c) Best Team Spirit Trophy

(d) Best March Past Trophy

Answer: (d) Best March Past Trophy

Explanation : The Rajasthan contingent at the opening ceremony at Balewadi Stadium on 6 May 2026, marched with great dignity and went on to win the Best March Past Trophy from the teams from all over the country.

---

# राजस्थान विद्युत निगमों ने अखिल भारतीय विद्युत खेल प्रतियोगिता में भाग लिया, राजस्थान का अब तक का सबसे बड़ा विद्युत खेल दल राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए पुणे पहुंचा।

राजस्थान विद्युत निगमों के खिलाड़ियों का अब तक का सबसे बड़ा दल 47वीं अखिल भारतीय विद्युत बास्केटबॉल, कुश्ती, कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पुणे पहुंचा। इस प्रतियोगिता का आयोजन महाराष्ट्र पावर द्वारा पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम में किया जा रहा है। राजस्थान विद्युत निगमों की 6 टीमों के 47 खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं। राजस्थान ने उद्घाटन समारोह में सर्वश्रेष्ठ मार्च पास्ट ट्रॉफी भी जीती।

## मुख्य बिंदु

- 47वीं अखिल भारतीय विद्युत बास्केटबॉल, कुश्ती, कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिता पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम में आयोजित की जा रही है।

RASonly

- प्रतियोगिता का आयोजन महाराष्ट्र पावर द्वारा किया जा रहा है।
- मुकाबले 6 मई 2026 को उद्घाटन समारोह के बाद शुरू हुए।
- राजस्थान ने अखिल भारतीय विद्युत प्रतियोगिता में अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा है।
- राजस्थान विद्युत निगमों की 6 टीमों के 47 खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।
- राजस्थान की पुरुष बास्केटबॉल और खो-खो टीम प्रतियोगिता में भाग ले रही है।
- राजस्थान की महिला कबड्डी और खो-खो टीम पहली बार प्रतियोगिता में भाग ले रही है।
- उद्घाटन समारोह में राजस्थान दल ने देश के अन्य राज्यों की टीमों के बीच सर्वश्रेष्ठ मार्च पास्ट ट्रॉफी जीती।
- मार्च पास्ट में राजस्थान दल का नेतृत्व प्रबंधक पवन शर्मा ने किया।
- राजस्थान की पुरुष खो-खो टीम ने लीग मैच में गुजरात ऊर्जा निगम को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।
- राजस्थान की महिला खो-खो टीम ने सेमीफाइनल में गुजरात को हराकर फाइनल में प्रवेश किया।
- महिला खो-खो का फाइनल मुकाबला मेजबान महाराष्ट्र की टीम से होगा।
- ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने राजस्थान विद्युत निगमों के सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

## निष्कर्ष

47वीं अखिल भारतीय विद्युत बास्केटबॉल, कुश्ती, कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिता में राजस्थान की भागीदारी राज्य के विद्युत निगमों में खेल भावना, टीम भावना और कर्मचारी सहभागिता की बढ़ती भावना को दर्शाती है। 6 टीमों के 47 खिलाड़ियों की उपस्थिति, महिला कबड्डी और खो-खो टीमों की पहली बार भागीदारी तथा सर्वश्रेष्ठ मार्च पास्ट ट्रॉफी राजस्थान के मजबूत और अनुशासित राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व को उजागर करती है। पुरुष और महिला खो-खो टीमों का शानदार प्रदर्शन, विशेष रूप से महिला टीम का फाइनल में पहुंचना, प्रतियोगिता में राजस्थान की स्थिति को और मजबूत करता है। यह उपलब्धि सरकारी और विभागीय कर्मचारियों के बीच खेलों तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के महत्व को भी दर्शाती है।

---

## बहुविकल्पीय प्रश्न

**1. 47वीं अखिल भारतीय विद्युत बास्केटबॉल, कुश्ती, कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिता किस स्थान पर आयोजित हो रही है?**

(a) जयपुर
(b) पुणे
(c) अहमदाबाद
(d) भोपाल

**उत्तर: (b) पुणे**

RASonly

47वीं अखिल भारतीय विद्युत बास्केटबॉल, कुश्ती, कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिता महाराष्ट्र पावर द्वारा पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। राजस्थान का अब तक का सबसे बड़ा विद्युत खेल दल इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पुणे पहुंचा है।

---

**2. राजस्थान विद्युत निगमों के कितने खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं?**

(a) 27
(b) 36
(c) 47
(d) 60

**उत्तर: (c) 47**

राजस्थान का दल अखिल भारतीय विद्युत प्रतियोगिता के लिए अब तक का सबसे बड़ा दल है। इसमें राजस्थान विद्युत निगमों की 6 टीमों के कुल 47 खिलाड़ी बास्केटबॉल, कबड्डी और खो-खो जैसे विभिन्न खेलों में भाग ले रहे हैं।

---

**3. प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में राजस्थान ने कौन-सी ट्रॉफी जीती?**

(a) सर्वश्रेष्ठ अनुशासन ट्रॉफी
(b) सर्वश्रेष्ठ वर्दी ट्रॉफी
(c) सर्वश्रेष्ठ टीम भावना ट्रॉफी
(d) सर्वश्रेष्ठ मार्च पास्ट ट्रॉफी

**उत्तर: (d) सर्वश्रेष्ठ मार्च पास्ट ट्रॉफी**

6 मई 2026 को बालेवाड़ी स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में राजस्थान दल ने प्रभावशाली मार्च पास्ट किया और देशभर से आई टीमों के बीच सर्वश्रेष्ठ मार्च पास्ट ट्रॉफी जीती।

RASonly